

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): (a) to (c). The Rules framed by the LIC provide for certain relaxations for appointment of relatives of the deceased employees, subject to the following conditions;

(i) where none of the members of the family (widow, son or unmarried daughter) is earning;

(ii) if requests are received within a period of one year of the death of the employee (Relaxation upto three years is given in exceptional individual cases); and

(iii) the appointment will be subject to the availability of vacancy.

As the LIC is making appointment according to the rules mentioned above the question of anomaly does not arise.

ऑरियंटल बैंक आफ कामर्स के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्र

4835. श्री रामलाल राहो : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नये उद्योग स्थापित करने तथा कारोबार शुरू करने के लिए ऑरियंटल बैंक आफ कामर्स के लखनऊ क्षेत्रीय कार्या-

लय में कितने आवेदन-पत्र प्राप्त हुए हैं और स्वीकृत तथा अस्वीकृत आवेदन-पत्रों की संख्या कितनी है तथा आवेदन-पत्रों को अस्वीकृत करने के क्या कारण हैं;

(ख) वर्ष 1980-81 के दौरान ऑरियंटल बैंक आफ कामर्स की सीतापुर (उत्तर प्रदेश) शाखा द्वारा विधिवत् सिफारिश किए गए कितने आवेदन-पत्र लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय में प्राप्त हुए हैं और इस कार्यालय में उनमें से कितने आवेदन-पत्रों को जांच कर ली गई है तथा कितने स्वीकार किये हैं और अस्वीकृत आवेदन-पत्र की संख्या तथा उन्हें अस्वीकार करने के कारण क्या हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय के कुछ अधिकारी आवेदकों पर इस लिए रोक लगा देते हैं जिससे अवैध घुस ली जा सके और यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस संबंध में गुप्त जांच करवाने का है?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मगन-भाई बारोट) : (क) और (ख) ऑरियंटल बैंक आफ कामर्स से प्राप्त सूचना इस प्रकार है :

वर्ष, 1980-81 के दौरान, नए उद्योग और कारोबार की स्थापना के वास्ते ऋण प्राप्त करने के लिए ऑरियंटल बैंक आफ कामर्स के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्र:

अस्वीकृत आवेदन, स्वीकृत आवेदन-पत्रों की पत्रों की संख्या संख्या

पत्र व्यवहार के उचित जवाबों के अभाव में अधीन आवेदन-पत्रों समाप्त किए ग की संख्या मामलों की संख्या

वर्ष 1980-81 के दौरान ओरियंटल बैंक आफ कामर्स की सीतापुर (उ० प्र०) शाखा से लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय में प्राप्त हुए आवेदन पत्र :

अस्वीकृत आवेदन- पत्रों की संख्या	स्वीकृत आवेदन-पत्रों की संख्या	पत्र व्यवहार के अर्धीन आवेदन- पत्रों की सं०	स्वयं प्रबन्धक को शक्तियों के अर्धीन विचार के लिए उभे भेजे गए आवेदपत्रों की संख्या
6	2	1	2

बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अस्वीकृत प्रस्ताव वे थे जो निर्धारित मान दण्डों को पूरा नहीं करते थे और जिन्हें अर्थक्षम नहीं पाया गया

(ग) बैंक ने सूचना दी है कि उसकी जानकारी में ऐसा कोई मामला नहीं आया है। इसलिए, सरकार द्वारा गुप्त जांच कराये जाने का प्रश्न नहीं उठता।

#### Advance Increment to Section Officers

4836. SHRI CHANDRADEO PRASAD VERMA: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1629 on the 27th February, 1981 regarding advance increment to Section Officers and state:

(a) whether any decision have so far been taken to grant the two advance increments to the Section Officers and also upgrade Section Officers from Central Secretariat as Class I Officers;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons for the delay?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SAWAI SINGH SISODIA):

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The Departmental Council (Joint Consultative Machinery) of the Department of Personnel and Administrative Reforms who are considering both the items (i) grant of

advance increments to Section Officers and (ii) to upgrade them as Class I Officers—have not concluded their deliberations on these items.

#### Distribution of Money Deposited by Government Among Share Holders and Unsecured Creditors

4837. SHRI SATISH PRASAD SINGH: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2501 on the 6th March, 1981 regarding taking over of Asian refractories Calcutta by Bokaro Steel Corporation and state:

(a) whether the court where the amount of Rs. 81 lakhs was deposited has distributed the same to the parties viz., Shareholders and Unsecured Creditors concerned and the basis for such distribution; and

(b) if the amount has not been distributed, the reasons for the delay and when it is likely to be disbursed?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b) Under the provisions of the Asian Refractories Limited (Acquisition of